

31/8
2021

GCM 5

2016/00232

पजावनी पेशा हुरी। उर्षी व वहील उर्षी अनुव।
वार-वार आवज दिववामी जनि पजनी उर्षी
की और से कोरी उर्षीपत नही। अतः उर्षी
का उर्षीपत अडक हाजरी अडक पेशी में खारिज
किया जाता है। पजावनी के सब शुमार होकर
नरसे वग होकर दावदा डारिख है।

(बृजेश कुमार)
(बृजेश कुमार)
उपखण्ड अधिकारी
नीमकाथाना (सीकर)